महत्वपूर्ण एवं खास

राज्य वीरता पुरस्कार के लिए कर सकेंगे आवेदन 2 जनवरी तक

रायपुर (आरएनएस)। प्रदेश के बच्चों को किसी घटना विशेष में उनके द्वारा प्रदर्शित अदम्य साहस एवं बुद्धिमत्ता के लिए राज्य वीरता पुरस्कार प्रदान किया जाना है। इसके तहत 5 बालक एवं बालिकाओं को 25 हजार रूपए की राशि तथा प्रशस्ति पत्र पुरस्कार के रूप में प्रदान किया जाएगा। आवेदन 02 जनवरी 2025 तक पुराना पुलिस मुख्यालय परिसर जीई रोड में महिला एवं बाल विकास कार्यालय में जमा की जा सकती है।

5 आरा मिलों में वन विभाग की दबिश

रायपुर (आरएनएस)। राजधानी रायपुर के अभनपुर में वन विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई की है, नवापारा और अभनपुर में वन विभाग ने अवैध रूप से गिला कहुआ अर्जून की लकड़ी मिलने पर 5 आरा मिलो को सील कर दिया है। जानकारी के अनुसार, 5 मिलो पर कार्रवाई हुई है, कई दिनों से मिल वाले कहुआ अर्जुन लकड़ी की इस्तमाल कर रहे थे, वहीं आज वन विभाग ने अभनपुर में 1 तो नवापारा की 4 मिलो पर कार्रवाई की है, अभी कई आरा मिलो में और भी कार्रवाई हो सकती है।

डीजे वाला पिकनिक स्पॉट में घायल, करंट की चपेट में आया

कोरबा (आरएनएस)। कोरबा में एक युवक 11केवी लाइन की चपेट में आ गया. वह जिले के परसाखोल पिकनिक स्पॉट पर 11केवी लाइन से अवैध रूप से कनेक्शन जोड़ रहा था. इसी दौरान अचानक उसे तेज करंट लगा और वह गंभीर रूप से घायल हो गया. वहीं अन्य कई पर्यटक भी बाल-बाल बचे। जानकारी के मुताबिक, युवक डीजे चलाने के लिए जनरेटर के बजाय मेन लाइन (11केवी लाइन) से कनेक्शन जोड़ने की कोशिश कर रहा था, तभी अचानक उसे करंट लग गया. घटना की सूचना मिलते ही बालको थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है. घायल युवक को तुरंत अस्पताल भेजा गया, जहां उसकी स्थिति गंभीर बताई जा रही है।

आरक्षक संवर्ग भर्ती परीक्षा में 1700 महिला अभ्यर्थियों में 537 हुए शामिल

धमतरी (आरएनएस)। 537 अभ्यर्थियों की दस्तावेजों की जांच एवं नापजोख की गई जिसमें 133 अभ्यर्थी हुए अपात्र,जिसमें 404 अभ्यर्थियों का हुआ शारिरिक दक्षता परीक्षा। पुलिस लाईन रूद्री में आज पुलिस आरक्षक संवर्ग भर्ती परीक्षा प्रक्रिया में पुलिस अधीक्षक धमतरी आंजनेय वाष्णेय एवं भर्ती कमेटी के सदस्यों की उपस्थिति में जिला बलौदाबाजार के लिए 1700 महिला अभ्यर्थियों को बुलवाया गया था। जिसमें लगभग 537 अभ्यर्थी उपस्थित हुए जिनके दस्तावेजों की छानबीन परिक्षण किया गया एवं नाप जोक किया गया जिसमें 133 अभ्यर्थी अपात्र पाये गए। 404 अभ्यर्थी ही पात्र पाये गये जिनका 100 मीटर दौड़,800 मीटर दौड़,गोला फेंक,लंबी कूद,ऊची कूद सहित शारिरिक दक्षता का परीक्षा लिया गया है। कुछ अपात्र एवं कुछ अभ्यर्थी के दस्तावेज में खामी पाये गए हैं,उन अभ्यर्थियों द्वारा दावा आपत्ति (अपील) की जा रही है जिसका पुलिस अधीक्षक धमतरी एवं भर्ती कमेटी द्वारा लगातार निराकरण किया जा रहा है।

पुलिस अधीक्षक महोदय द्वारा अभ्यर्थियों से लगातार ये अपील भी की जा रही है की :-

(01)- उपरोक्त पुलिस भर्ती प्रक्रिया पूर्णत: कम्प्यूटरीकृत है।

(02) छत्तीसगढ़ जिला पुलिस बल भर्ती में पूर्णत: पारदर्शिता बरती जा रही है आप किसी के भी झांसे में ना आयें।

(03) पुलिस भर्ती कराने के नाम पर कोई व्यक्ति पैसे की मांग करता है तो ऐसे लोगों की सूचना तत्काल धमतरी पुलिस को दें उस पर वैधानिक कार्यवाही की जायेगी।

(04) यदि कोई अभ्यर्थी छत्तीसगढ़ पुलिस आरक्षक भर्ती हेतु पैसा देते है एवं भर्ती कराने के लिए कोई पैसा लेते है,तो दोनों के उपर कानूनी कार्यवाही की जावेगी और उस अभ्यर्थी को पुलिस भर्ती की प्रक्रिया से अलग किया जावेगा।

नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों के बीच पहुंचे केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह

- गुण्डम कैम्प में सीआरपीएफ, कोबरा बटालियन, डीआरजी सहित सुरक्षा बल के जवानों से किया सीधा संवाद
- केन्द्रीय गृहमंत्री से संवाद कर जवानों के हौंसले हुए बुलंद
- नक्सलमुक्त भारत में सुरक्षा बलों के जवानों का नाम स्वर्णिम अक्षर में लिखा जाएगा

रायपुर

केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह नक्सल गतिविधियों पर अंकुश लगाने के अपने मिशन के तहत आज बीजापुर के सुदूर एवं माओवाद प्रभावित क्षेत्र गुण्डम में तैनात सुरक्षाबलों के जवानों के बीच पहुंचे। उन्होंने स्थित केन्द्रीय रिजर्व बल 153वीं वाहिनी बटालियन के कैम्प में सीआरपीएफ, कोबरा, डीआरजी सहित सुरक्षा बल के जवानों के साथ संवाद कर उनका उत्साहवर्धन किया।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने नक्सल मोर्चे पर तैनात जवानों से सीधे नक्सल ऑपरेशन की मैदानी स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने जवानों के साथ दोपहर का भोजन भी किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा भी उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा की विगत एक वर्ष में बस्तर को नक्सल मुक्त करने नवीन सुरक्षा कैम्पों की स्थापना की गई है, जिसका सकारात्मक परिणाम यह रहा है की हमारे जवानों को नक्सल ऑपरेशन में लगातार सफलता मिली। बहुत बड़ी संख्या में नक्सली मारे गये, नक्सलियों ने आत्मसमर्पण किया और उनकी गिरफ्तारी हुई। वह दिन दूर नहीं जब बस्तर और हमारा देश नक्सल प्रभाव से पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। मार्च 2026 तक नक्सलमुक्त भारत बनाना हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है। उन्होंने कहा कि नक्सलमुक्त अभियान में सीआरपीएफ, बीएसएफ, कोबरा, छत्तीसगढ़ पुलिस, बस्तरिया बटालियन सहित सभी सुरक्षाबलों का महत्वपूर्ण योगदान है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने उद्बोधन में कहा कि आज नक्सलवाद समाप्त होने की कगार पर पहुंच गया है। उन्होने कहा कि सुरक्षा कैम्प के दायरे में आने वाले गांवों में सुरक्षाबल के अधिकारी यह अवश्य देखें की शासन की योजनाओं का क्रियान्वयन जमीनी स्तर पर कितनी अच्छी तरह हो रहा है, लोगों को उनके अधिकार मिल रहे हैं कि नही। शासन की योजनाओं का समुचित ढंग से लाभ ग्रामीणों को मिलते रहेगा तो वे शासन और प्रशासन के प्रति समर्पित भाव से सहयोग करेंगे और विकास की ओर अग्रसर होंगे।

गृहमंत्री ने कैम्प परिसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान अर्न्तगत किया वृक्षारोपण- बीजापुर के गुण्डम प्रवास के दौरान केन्द्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने कैम्प परिसर में बरगद का पौधा तथा मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने सल्फी का पौधा रोपा। उन्होंने इस मौके पर कैम्प परिसर के सामने नवीन शासकीय उचित मूल्य दुकान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर सीआरपीएफ, पुलिस एवं जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे।

बीजापुर जिले के गांव गुण्डम में महुआ पेड़ के नीचे केन्द्रीय गृह मंत्री ने लगाई चौपाल : ग्रामीणों से खुलकर की चर्चा

- शासन की सभी योजनाओं का लाभ उठाने के लिए ग्रामीणों को किया प्रेरित

रायपुर

माओवादी आतंक से प्रभावित बीजापुर जिले के गुण्डम गांव में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने महुआ पेड़ के नीचे चौपाल लगाकर ग्रामीणों से आत्मीयतापूर्वक खुलकर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पहल पर हमने माओवादी आतंक को 31 मार्च 2026 तक समाप्त करने का लक्ष्य रखा है, जिसका परिणाम है कि आज नक्सलवाद एक छोटे से दायरे में सिमट कर रह गया है। इस मौके पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा उपस्थित थे।

केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि माओवादी आतंक के भय से ग्रामीणों को मुक्त कराने के लिए बस्तर के विभिन्न स्थानों में सुरक्षा कैम्प स्थापित किए गए है। बस्तर अंचल में अमन और शांति का वातावरण स्थापित हो रहा है। उन्होंने ग्रामीणों से ज्यादा से ज्यादा योजनाओं से जुड़ कर विकास की मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की। शाह ने कहा कि बच्चों को स्कूल अवश्य भेंजे। शिक्षा से ही विभिन्न समस्याओं का समाधान निकलेगा।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि गुण्डम के नजदीक स्थापित कैम्प में अस्पताल की सुविधा भी है जहां निःशुल्क उपचार हेतु ग्रामीण निःसंकोच होकर जाएं और झाड़-फूंक के भरोसे न रहें। उन्होंने ग्रामीणों को निःशुल्क 35 किलो चांवल, महतारी वंदन योजना सहित विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से अवगत कराया।

उन्होंने गांव में स्थित प्राथमिक शाला का अवलोकन कर बच्चों से पढ़ाई सम्बधी जानकारी ली और नियमित स्कूल आने के लिए बच्चों को प्रेरित किया। वहीं उन्होंने महिलाओं को भी शिक्षा के लाभ से अवगत कराया।

गृहमंत्री अमित शाह ने ग्रामीणों हेतु जन सुविधा शिविर लगाकर आधार कार्ड, राशन कार्ड, बैंक पासबुक, आयुष्मान कार्ड सहित अन्य सभी आवश्यक दस्तावेज बनाने के निर्देश कलेक्टर को दिए। उन्होंने कहा शासन कि समस्त योजनाओं का लाभ लेने के लिए बैंक पासबुक अनिवार्य है, इसलिए सभी का बैंक पासबुक जरूरी है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि एक वर्ष के भीतर गांव में सड़क, बिजली, स्कूल,अस्पताल, पेयजल जैसी सभी मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएगी।

आत्मसमर्पित नक्सलियों के पुनर्वास की जिम्मेदारी सरकार की : अमित शाह

रायपुर | आरएनएस

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को नक्सलियों से हथियार छोडक़र मुख्यधारा में शामिल होने की अपील की. उन्होंने साथ ही चेतावनी दी कि ऐसा नहीं करने पर उन्हें सुरक्षा बलों की कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि आत्मसमर्पण करने वाले नक्सलियों का पुनर्वास सरकार की जिम्मेदारी है।

शाह ने छत्तीसगढ़ के जगदलपुर में एक खेल आयोजन 'बस्तर ओलंपिक' को संबोधित करते हुए यह भी दावा किया कि देश मार्च 2026 तक माओवादियों से मुक्त हो जाएगा. उन्होंने कहा, मैं नक्सलियों से अपील करता हूं कि कृपया आगे आएं. हथियार छोड़ दें, आत्मसमर्पण करें और मुख्यधारा में शामिल हों. आपका पुनर्वास हमारी जिम्मेदारी है. उन्होंने कहा, मैंने हाथ जोडक़र अपील की है कि नक्सली हथियार छोड़ें, जिनके हाथ में हथियार हैं वो भी हमारे हैं. अमित शाह ने कहा कि यदि माओवादी आत्मसमर्पण की अपील नहीं मानते हैं, तो सुरक्षा बल उन्हें खत्म कर देंगे. उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ पुलिस 31 मार्च 2026 तक भारत को नक्सल मुक्त बनाने के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प को पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है. केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार की पुनर्वास नीति देश में सर्वोत्तम है.

उन्होंने कहा, यदि आप आत्मसमर्पण कर देंगे और मुख्यधारा में शामिल हो जाएंगे, तो आप छत्तीसगढ़ और भारत के विकास में योगदान देंगे। शाह ने आरोप लगाया कि एक साल पहले भारतीय जनता पार्टी (भाजपा)के सत्ता में आने से पहले जब छत्तीसगढ़ में कांग्रेस सत्ता में थी, तो माओवादियों के खिलाफ कार्रवाई धीमी थी. उन्होंने दावा किया, लेकिन छत्तीसगढ़ में हमारी सरकार बनने के बाद चरमपंथियों के खिलाफ कार्रवाई में तेजी आई. इसकी वजह से गत एक साल में 287 नक्सली मारे गए, 992 नक्सलियों को गिरफ्तार किया गया और 836 अन्य ने आत्मसमर्पण किया.। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने समर्पण कर चुके नक्सलियों के एक समूह से रविवार को हुई मुलाकात में कहा कि सरकार के प्रयासों के सफल होने के कारण आज वह खुद को सबसे ज्यादा खुश मानते हैं. उन्होंने पूर्व नक्सलियों से कहा, मैं आज सबसे ज्यादा खुश हूं, आपसे या आपके परिवार से भी ज्यादा, क्योंकि आपको आत्मसमर्पण करने और मुख्यधारा में शामिल होने के लिए मनाने के हमारे श्रमसाध्य प्रयास सफल हुए हैं।

एयरप्लेन नजदीक से देखने एयरपोर्ट में घुसा युवक, मचा हड़कंप

रायपुर | आरएनएस

माना एयरपोर्ट की सुरक्षा में भारी चूक हो गई। एक शराबी दीवार फांदकर एयरपोर्ट परिसर में घुसा और नए एटीसी टावर की ओर से रन-वे पर आ गया। वह एरोप्लेन को नजदीक से देखना चाहता था। इसके लिए वह महासमुंद से रायपुर आया था। युवक को दौड़ता देखकर एयरपोर्ट में हडक़ंप मच गया। सीआईएसएफ के जवान युवक की ओर दौड़े और उसे दबोच लिया। पकडक़र बाहर लाया गया। उससे पूछताछ की गई। वह ठीक से जवाब नहीं दे पा रहा था। उसके बाद उसे पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस ने युवक के खिलाफ सेंधमारी का केस दर्ज किया है। उसे कोर्ट में पेश कर जेल भेज दिया गया। माना टीआई भावेश गौतम ने बताया क सरायपाली निवासी पारसमणि ध्रुव (24) मजदूरी करता है। वह 13 दिसंबर की सुबह बस से रायपुर आया। फिर माना एयरपोर्ट पहुंचा। वह बरौंदा और रमचंडी गांव के आसपास भटकता रहा और मौका देखकर एयरपोर्ट की दीवार फांदकर भीतर आ गया। वह नए एटीसी टावर की ओर से दौड़ते हुए रनवे पर आ गया। वह आने वाली फ्लाइट को देखने लगा। रन-वे पर युवक को दौड़ता देखकर हडक़ंप मच गया। वायरलैस से लगातार पॉइंट आने लगा। उसके बाद युवक को दबोच लिया गया। युवक ने पूछताछ में बताया कि वह एरोप्लेन को नजदीक से देखना चाहता था। उसे पता नहीं था कि वहां जाना मना है।

पैदल चल रहे युवक को ट्रक ने कुचला, गुस्साए ग्रामीणों ने किया चक्काजाम, मुआवजा मिलने पर हुआ शांत

बलौदाबाजार | आरएनएस

क्षेत्र में लगातार सडक़ हादसों का सिलसिला थमने का नाम नहीं ले रहा है। 15 दिसंबर को ग्राम मुण्डा के मुख्य सडक़ मार्ग पर हुए एक हादसे में 22 वर्षीय युवक खिलेश वर्मा की दर्दनाक मौत हो गई। इससे आक्रोशित ग्रामीणों ने सडक़ पर चक्काजाम कर दिया।

हादसे का विवरण- ग्राम मुण्डा के वार्ड क्रमांक 5 निवासी खिलेश वर्मा, पिता तेजा वर्मा, सडक़ किनारे पान ठेले के पास खड़ा था। इसी दौरान तेज रफ्तार से आ रहे हाईवा (वाहन क्रमांक सी.जी. 22 ए.ई 9919) ने ओवरटेक करते समय उसे कुचल दिया। हादसे में युवक का आधा शरीर कुचल गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। चालक वाहन को लाहोद में खड़ाकर फरार हो गया।

चक्काजाम और पुलिस की कार्रवाई-

घटना के बाद गुस्साए परिजनों और ग्रामीणों ने मुख्य सडक़ पर लकडिय़ां रखकर चक्काजाम कर दिया। पुलिस और प्रशासन की टीम ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे मुआवजे की मांग पर अड़े रहे।

मुआवजा मिलने पर शांत हुए लोग - तहसील प्रशासन ने मृतक के परिजनों को तत्काल 25 हजार रुपये की सहायता राशि दी। साथ ही, दुर्घटना के लिए जिम्मेदार वाहन चालक के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने और वाहन को जब्त करने का आश्वासन दिया। इसके बाद 3 घंटे तक चले चक्काजाम को समाप्त किया गया।

थाना प्रभारी का बयान

लवन थाना प्रभारी केशर पराग बंजारे ने बताया,

घटना में युवक की दर्दनाक मौत हुई है। परिजनों को 25 हजार रुपये की सहायता राशि प्रदान की गई है। पुलिस ने पंचनामा तैयार कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

इसी क्षेत्र में 14 दिसंबर की रात एक और सडक़ दुर्घटना में युवक की मौत हो गई थी। पुलिस ने दोनों मामलों में जांच शुरू कर दी है।

सडक़ सुरक्षा और यातायात नियमों को लेकर प्रशासन के प्रयास सवालों के घेरे में हैं।

करतला रेंज में हाथियों का आतंक: बड़मार में उजाड़ा बगीचा, तोड़ा बोर व पाइप

कोरबा | आरएनएस

वनमंडल कोरबा के कुदमुरा व करतला रेंज में हाथियों का आतंक कायम है। जहां करतला रेंज में 50 की संख्या में हाथी विचरण कर रहे हैं वहीं 30 हाथी कुदमुरा रेंज में भी पहुंच गए हैं। करतला रेंज में मौजूद हाथियों का दल रेंज के बड़मार गांव में जमकर उत्पात मचाया। इस दौरान एक वकील के यहां स्थित बगीचे में घुसकर आम, नारियल के पौधों को पूरी तरह तहस-नहस कर दिया। वहीं सिंचाई के लिए स्थापित बोर सिस्टम को उखाडकर फेंक दिया।

बगीचे के गेट को तोडने के साथ ही घर के छप्पर को भी उजाड़ दिया है। हाथियों के उत्पात से वकील को भारी नुकसान उठाना पड़ा है। वन अमला मौके पर पहुंचकर नुकसानी का आंकलन करने में जुट गया है। जानकारी के अनुसार हाथियों के दल के बगीचे में घुसने तथा उत्पात मचाए जाने की जानकारी आज सुबह तब हुई जब चैकीदार बगीचा पहुंचा तो वहां लगे आम व नारियल के पौधे उखडकर जमीन पर गिरे हुए मिले तथा सिंचाई के लिए लगे बोर सिस्टम तथा गेट को टूटा हुआ पाया। बगीचे में हाथियों के पैरों के बड़ी संख्या में निशान थे। चैकीदार को समझने में देर नहीं लगी कि यह कारास्तानी क्षेत्र में मौजूद हाथियों की है। उन्होंने इसकी सूचना बगीचे के मालिक को दी जिस पर उन्होंने वन विभाग को सूचित किया। जहां करतला रेंज में मौजूद हाथियों ने बड़मार में भारी उत्पात मचाया वहीं कुदमुरा रेंज में सक्रिय हाथी भी इससे पीछे नहीं रहे। यहां पर 30 हाथियों के दल ने जिल्गा-बरपाली गांव में उत्पात मचाते हुए एक ग्रामीण के घर को तोड़ दिया। वहीं एक अन्य के कोठार में पहुंचकर वहां रखे धान की खरही को नुकसान पहुंचाया। इतना ही नहीं खेतों में पहुंचकर 6-7 किसानों की रबी फसल को भी मटियामेट कर दिया है। ग्रामीणों द्वारा सूचना दिए जाने पर वन अमला आज सुबह मौके पर पहुंचा और नुकसानी का आंकलन करने के साथ रिपोर्ट तैयार की। हाथियों द्वारा कुदमुरा व करतला रेंज में उत्पात मचाए जाने से ग्रामीण बेहद हलाकान हैं। उन्हें जानमाल की सुरक्षा की चिंता भी अब सताने लगे हैं।

नकसल हिंसा में हुए दिव्यांग, पर नहीं टूटे हौसले : साहस के साथ दिखाई उत्कृष्ट खेल प्रतिभा-पुनेम

जगदलपुर | आरएनएस

परिस्थितियां चाहे कितनी भी विपरीत हो पर यदि सपनों को साकार करने की ताकत है और मजबूत इरादे हैं, तो हौसले कभी नहीं टूटते और इसकी एक बानगी देखने को मिली बस्तर ओलंपिक में। जहां पर नक्सल हिंसा में दिव्यांग हुए खिलाडिय़ों ने अपने मजबूत इरादे के साथ उत्कृष्ट खेल प्रतिभा का प्रदर्शन किया। ऐसे ही नक्सली हिंसा को छोड़ मुख्य धारा में आएं आत्मसमर्पित आरक्षक बने सुकमा जिले के अंतर्गत दोरनापाल के गांव पालेमपाठ निवासी पुनेम सन्ना ने भी व्हील चेयर में दौड़ लगाई। उन्होंने बताया कि वह करीब 22 साल की उम्र में सन् 2000 में नक्सलियों के सम्पर्क में आया। मुझे बताया गया कि सशस्त्र विद्रोह से ही हमारे जीवन में बदलाव आएगा। मुझे तो खाना मिल जाता था। पर मेरे घर वाले भूखे ही रहते थे और वे मुश्किल से जीवन-यापन करते थे। ये सब देखकर मैं छत्तीसगढ़ सरकार की समर्पण नीति से प्रभावित होकर 2012 में समर्पण कर मुख्य धारा में आया। मुख्य धारा में आने के बाद सन 2013 मुझे डीआरजी में आरक्षक के रूप में नियुक्त किया गया। मुझे और मेरे परिवार को इसकी कीमत भी चुकानी पड़ी। नक्सलियों ने मेरे बड़े भाई जोगा सन्ना को भी मौत के घाट उतार दिया। अगस्त 2013 में गस्ती के दौरान अचानक नक्सलियों ने अंधाधुंध फायरिंग सहित बम ब्लास्ट हुई। मेरे साथी जवान शहीद हुए और मेरा बायां पैर बुरी तरह से प्रभावित हो गया। जिससे मैं अब चलने में असमर्थ हूं। परन्तु मेरे इरादे नहीं टूटे है और आज इस बस्तर ओलम्पिक में दौड़ रहा हूं। मेरे परिवार में अभी पत्नी पूनम नंदे और 3 बच्चे हैं। परिवार में 2 लडक़ा और एक लडक़ी हैं। जिसमें एक लडक़ा चौथी और लडक़ी पहली कक्षा में पढ़ रही है। सबसे छोटी बच्ची 2 साल की हुई है अभी आंगनबाड़ी जा रही है।

बस्तर ओलंपिक के रंग में डूबा पूरा बस्तर, उमड़ पड़ा पूरा शहर

बस्तर ओलम्पिक के समापन समारोह में पूरा बस्तर उमड़ पड़ा। एक तरफ मांझी-चालकी, सिरहा, गुनिया, विभिन्न आदिवासी समाज के प्रमुख, राजनीतिक हस्तियां, साहित्यकार, शामिल हुए। वहीं दूसरी ओर खेल खिलाड़ी एवं नक्सल हिंसा से प्रभावित तथा नक्सली हिंसा को छोड़ मुख्यधारा में आएं समर्पित माओवादी ने बढ़चढ़ कर हिस्सा लिया।

SJU - Contact No. +91 9301915303 E-mail ID- sjunion29@gmail.com

Social Justice Union

Registered with Govt. No. 5526

Join SJU

अधिकार से न्याय तक

आवश्यकता

इस संघ का गठनसम्पूर्ण छत्तीसगढ़ में पीड़ितो को न्याय दिलाने के लिए किया गया है, जिसे छत्तीसगढ़ शासन से मान्यता प्राप्त है, जिसका क्रमांक 5526 है, तथा सम्पर्क हेतु नं0 9301915303 है। इस संघ के गठन पर संघ के संरक्षक एवं लीगल एडवाईज़र श्री तथागत श्रीवास्तव (अधिवक्ता, माननीय उच्च-न्यायालय), एवं गर्वनिंग बोर्ड के सदस्यों कु0 सी.बी.वर्मा, श्रीमती ऐकता श्रीवास्तव, श्रीमती रजनी राकुन्डे एवं अन्य ने शासन को धन्यवाद ज्ञापित किया, और कहा कि संघ के पास सामाजिक अन्याय अथवा मानवाधिकार हनन सम्बंधी तथ्य के प्रस्तुत होने पर, उसे लिखित में शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन एवं सक्षम व्यक्तियों के समक्ष संघ की ओर से प्रस्तुत किया जावेगा। साथ ही, विधि, न्याय सम्बंधी कार्य हाथ में लेकर बेसहारा, गरीब, परित्यक्ता, विधवाओं के उत्थान के लिए कार्य किया जावेगा।

उद्देश्य एवं नियुक्तियां

मुख्य रूप से संघ का उद्देश्य छत्तीसगढ़ प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर में सामाजिक न्याय हेतु प्रचार-प्रसार करना, तथा मानवाधिकार हेतु जागरूकता पैदा करना है। संघ साक्षरता एवं अनौपचारिक शिक्षा के माध्यम से मानवाधिकार के सम्बंध में प्रचार प्रसार करना चाहता है। इस हेतु प्रदेश के समस्त जिलों एवं ब्लॉक स्तर पर सामाजिक न्याय एवं मानवाधिकार संरक्षण केन्द्र की स्थापना की जावेगी, और उनमें संघ के द्वारा आधिकारिक नियुक्तियाँ की जावेंगी। प्रत्येक व्यक्ति इस संघ में सदस्य बन सकता है, जिसके लिए संघ के द्वारा निर्धारित नियम एवं शर्तो का पालन किया जाना अनिवार्य है। इस हेतु सदस्यता फार्म संघ के प्रधान कार्यालय में उपलब्ध है।

मुख्य बिन्दु

प्रताड़ित एवं पीड़ित व्यक्ति की समस्याओं को सुनना, आवेदन लेना तथा पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए उचित साधन एवं संसाधनों की जरूरत के अनुसार व्यवस्था करना मूल रूप से इस संघ का कार्य है। पीड़ित व्यक्तियों को न्यायिक, गैर-न्यायिक एवं सामाजिक समस्या पर विधिनुसार एवं संविधान के अनुसार आवश्यक मदद की जावेगी।

पीड़ित संपर्क करें

संघ विशेष रूप से मानवाधिकार दिलाने एवं सामाजिक न्याय प्राप्ति हेतु पीड़ित मानव की हर संभव मदद करेगा तथा इस हेतु पीड़ित मानव के लिए भारतीय संविधान के तहत् विधिक सहायता की व्यवस्था आवश्यकतानुसार करेगा। यदि कोई पीड़ित है तो इस संघ से सम्पर्क कर सकता है।

अन्य बिन्दु

- संघ पर्यावरण संरक्षण एवे पर्यावारण सम्बंधी चेतना हेतु भी जागरूकता लाने का प्रयास करेगा।
- पूरे छतीसगढ प्रदेश मे महिलाओं के अधिकार, श्रमिकों के अधिकार, आदिवासियों के अधिकार, अनुसूचित जाति-जनजातियों के अधिकारों के सम्बंध में विधिक एवं संवैधानिक रीति के कार्यक्रमों को इस संघ द्वारा संचालित किया जावेगा तथा प्रत्येक पीड़ित को उसके कर्तव्यों एवं अधिकारों के बारे में सचेत किया जावेगा। न्याय प्राप्ति हेतु हर संभव मदद की जावेगी।
- संघ शासन से मान्यता प्राप्त है, अतः शासन एवं प्रशासन में विभिन्न पदों पर आसीन् तक पीड़ित की परेशानी को आसानी से पहुँचाया जा सकता है। इस हेतु संघ शासन एवं प्रशासन में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर आसीन व्यक्तियों से मुलाकात कर पीड़ित को न्याय दिलाने में समस्त सहायता भी करेगा।
- संघ द्वारा संवैधानिक शिक्षा एवं सामाजिक विकास से सम्बंधित रिसर्च कार्यक्रम किए जावेंगे, एवं समान उद्देश्यों वाली अंर्तराष्ट्रीय, राष्ट्रीय, सरकारी तथा गैरसरकारी संस्थाओं के साथ मिलकर काम किया जावेगा।
- संघ सामाजिक कुरीतियों को दूर करने के लिए कार्यशाला का आयोजन भी करेगा। संघ देश के भूले बिसरे पर महान विभूतियों के सम्मान में कार्यक्रम भी आयोजित कराएगा।

पढिए .... न्यायसाक्षी समाचार-पत्र

:: Address ::
Behind Stadium
Near Career
School, Raigarh,
C.G.
Pin 496001

www.nyaysakshi.com

सभी से अपील की गई है कि ज्यादा से ज्यादा संख्या में संघ से जुड़कर साथ का साथ दिया जावे ताकि प्रत्येक पीड़ित मानव को न्याय मिल सके एवं एक अच्छे समाज का निर्माण हो सके।

Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU Join SJU